सेफ रेल

SAFE RAIL

जी.आर.पी. रेलवार्डन एसोसिएशन हरियाणा द्वारा प्रकाशित

वर्ष 1 | त्रैमासिक पत्रिका | जुलाई 2009 | अंक: 4

जी. आर. पी. रेलवार्डन सम्मान समारोह

रेलवार्डन के योगदान पर डी जी पी भी हैरान

सम्मान समारोह में रेलवार्डनों को सम्मानित करते हुए श्री आर.एस. दलाल, भा.पु.से. पुलिस महानिदेशक, हरियाणा व अन्य अधिकारीगण

राजकीय रेलवे पुलिस को रेलवार्डन के जरिए मिल रहे योगदान को लेकर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक श्री रंजीव दलाल, आई. पी. एस., भी बेहद हैरान हैं। इसी वजह से रेलवे स्टेशनों पर पनपने वाले अपराध के ग्राफ में आई गिरावट के लिए रेलवार्डन की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। गत 24 मई को यमुनानगर के ज्योति पैलेस में श्री विजय कुमार वत्स महासचिव रेलवार्डन एसोसिएशन, हरियाणा के प्रयासों से सम्पन्न हुए जी.आर.पी. रेलवार्डन के भव्य समारोह में पुलिस महानिदेशक श्री दलाल ने पुलिस को बेहतर समर्थन देने वाले 82 रेलवार्डनों को भी सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले रेलवार्डन में 11 महिलाएं भी शामिल थी। यह ऐसा पहला अवसर था जब रेलवार्डन के सम्मान में ऐसे शानदार समारोह का आयोजन किया गया। इससे पहले पुलिस महानिदेशक श्री दलाल ने रेलवे सुरक्षा में व्यापक सुधार के लिए वैबसाइट भी लांच की। अपने अभिभाषण में श्री दलाल ने कहा कि पुलिस अधीक्षक रेलवेज श्रीमती भारती अरोड़ा ने रेलवे पुलिस में सुधार के लिए जो बीड़ा उठाया था वह अब कारगर सिद्ध हो रहा है। अनूठा है, जी.आर.पी. के लिए इतनी बड़ी संख्या में रेलवार्डनों को जोड़ना। ऐसा पब्लिक का सहयोग पहले कभी नहीं देखा गया। श्री दलाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी समेत अनेक दार्शनिकों की हमेशा सोच रही है कि सामाजिक उत्थान में जनता की भागेदारी बेहद जरुरी है। एस. पी. रेलवे द्वारा छेड़े गए अभियान में 1200 से ज्यादा रेलवार्डन शामिल हो चुके हैं, जो कि रेलवे पुलिस को हर संभव सहयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही पुलिस महानिदेशक ने रेलवे ट्रैक पर मरने वाले लोगों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर रेल चालकों को रेल हादसों से जुड़ी सूचनाएं तत्काल पुलिस को दिए जाने के लिए प्रेरित किया जाए तो संभवतः रेल हादसों में होने वाली मौतों के बारे महत्वपूर्ण सुराग लग सकते हैं।

लावारिस सामान खतरा-ए-जान

जागरूकता रैली में भाग लेते रेलवार्डन

रेलवार्डन की कार्यकुशलता से बेहद प्रभावित होकर प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक श्री वी. एन.राय,आई. पी. एस. ने तो इस पॉलिसी को पूरे देश में लागू करने की बात कही ताकि यात्रियों के साथ-साथ रेलवे की बेहतर सुरक्षा व्यवस्था संभव हो सके । श्री राय के साथ रेलवे आई. जी. श्री के. के. मिश्रा, आई. पी. एस. ने भी रेलवार्डन की बेहतरीन सोच को लेकर रेलवार्डन व जी.आर.पी. के तालमेल की जमकर सराहना की। समारोह में रेलवार्डन एंव जी.आर.पी. की ओर से जहरखुरानी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक शानदार फिल्म दिखाई गई जिसमें जहरखुरानी के जुर्म का संजीव चित्रण किया गया । इसके साथ ही रेलवार्डनों ने अपनी गायकी एवं नाटक के जरिए अधिकारियों की जमकर वाहवाही लूटी एवं अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बकायदा जी.आर.पी.व रेलवार्डनों की बेहतर कार्यकुशलता की वजह से उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस बार बेहतर कामयाबी की ट्राफी जी.आर.पी. करनाल हासिल करने में अव्वल रही जबकि अंबाला व चण्डीगढ़ जी.आर.पी. को दूसरे व तीसरे स्थान पर सम्मानित किया गया। इस समारोह की शानदार कामयाबी के बाद अधिकारियों ने भविष्य में हर छः महीने के भीतर ऐसे रेलवार्डन सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित करने का भी ऐलान किया।

इससे पहले शहीद भगतसिंह फव्वारा चौक यमुनानगर से जी.आर.पी. रेलवार्डन एसोसिएशन की एक जागरूकता रैली को श्री के.के. मिश्रा आई. जी. रेलवे ने हरी झंडी देकर रवाना किया गया । इस रैली में प्रदेश के सभी जिलों से रेलवार्डन शामिल हुए । बैनरों एवं देशभक्ति की मधुर धुनों के साथ जागरूकता रैली के रुप में सभास्थल तक पहुंचे। समारोह में विशेषतौर पर अंबाला मंडल के आयुक्त महेंद्र सिंह, डी. आर. एम. उत्तर रेलवे, अंबाला श्री एच.के. जग्गी , मण्डल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल,अंबाला श्री एम. एस. जैद खान, श्री विकास अरोड़ा, एस.पी. यमुनानगर के अतिरिक्त शहर के गणमान्य व्यक्ति, समाजसेवी व विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े जर्नलिस्ट भी मौजूद थे।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रेल के आपराधिक आंकड़ो की समीक्षा

आपराधिक आंकड़ों की समीक्षा के लिए राजकीय रेलवे पुलिस के मुख्यालय पर 21 जून 2009 को अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी की अध्यक्षता श्री के. के. मिश्रा, आई. पी.एस. पुलिस महानिरीक्षक रेलवे ने की। गोष्ठी में डी.एस.पी. मुख्यालय रेलवे श्री मनवीर सिंह, फरीदाबाद के डी.एस.पी.रेलवे श्री बदन सिंह के अतिरिक्त सभी थाना प्रबंधक मौजूद थे।

अपराध गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए पुलिस महानिरीक्षक रेलवेज श्री के. के. मिश्रा, भा.पु.से.

बैठक के दौरान आई. जी. रेलवे श्री के. के. मिश्रा ने सभी थाना प्रभारियों से निर्धारित कार्यकाल के दौरान दर्ज हुए आपराधिक मुकदमों की समीक्षा की । इसके साथ ही थाना प्रभारियों ने बैठक में आपराधिक आंकड़ो के साथ रिकार्ड के रखरखाव, थानों की ईमारतों, रसोई व बाथरूम की सफाई के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी । इस दौरान आई. जी. श्री के. के. मिश्रा ने सभी थाना प्रभारियों को थाना ईमारतों के साथ रसोई, बाथरूम के सौंदर्यकरण पर विशेष ध्यान रखने एवं पुलिस पब्लिक में बेहतर तालमेल बनाने पर बल दिया। तमाम पुलिस कर्मचारियों से ऐसे किसी कार्य में संलिप्त न होने की बात कही जिससे पुलिस की छवि धूमिल हो। इस पर सभी उपस्थित अधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगें ।

इसके बाद आई. जी. श्री के.के. मिश्रा ने प्रदेश भर से आए रेलवार्डन एसोसिएशन के सचिवों की बैठक ली, जिसमें सभी ने आई. जी. रेलवे को एसोसिएशन की कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इससे पहले एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने आई. जी. के. के. मिश्रा का जबरदस्त स्वागत किया। बैठक के दौरान रेलवार्डनों की उपलब्धियों पर आई.जी. साहब ने संतोष जताया ।

भारतीय रेल विश्व के मानचित्र पर उभरती हुई ।

गुमशुदगी ने बनाया 'करोड़पति'

'भोले दर्श दिखला जा' नामक सी.डी. में बच्चे को देखकर मां की ममता जागी

किस्मत का भी अजीबोगरीब खेल है अगर मेहरबान हो तो रंक भी राजा बन जाता है लेकिन अगर किस्मत ही खराब हो तो राजा भी खाक में मिल जाता है। आमतौर पर ऐसे किस्से को फिल्मों में बेहद खूबसूरती से फिल्माया जाता है। अब हम आपको फिल्मी नहीं बल्कि एक ऐसी सच्ची हकीकत से वाकिफ करवा रहे हैं। दरअसल हम बात कर रहे हैं सहारनपुर की एक तंग गली में रहने वाले गरीब मंगल सिंह उर्फ ओम प्रकाश की। पेशे से ट्रक चालक ओम प्रकाश ने कभी सपने में भी अपने मासूम बेटे के करोड़पति होने का सपना नहीं संजोया था, लेकिन 5 साल के भीतर यह सच साबित हो गया। करीब 5 साल पहले अचानक लापता हुआ उसका मासूम बेटा रवि अब हरिद्वार के गौरीशंकर मंदिर की करोड़ो की जायदाद का अकेला वारिस है। गरीबी में पल रहा 3-4 साल का रवि कुछ साल पहले अचानक लापता हो गया था। ओम प्रकाश ने अपने बेटे की कई जगह छानबीन की परन्तु इसके बावजूद उसके बेटे का कहीं सुराग नहीं लग पाया। बेटे के वियोग में उसकी पत्नी बेबी बदहवास हो गई। समाचार पत्रों में लापता बच्चों की तस्वीरों को देखकर वह हर बच्चे को अपना बेटा समझने लगी। बेशक बेटे के कारण बेबी की मानसिक हालत लगातार बिगड़ती रही लेकिन इसके बावजूद बेटे को देखने की चाहत मजबूत होती रही।

बेटे के मिलाप के बाद महन्त का आशीर्वाद लेते परिजन

आखिर राजकीय रेलवे पुलिस के जरिये वर्षों से लापता अपने मासूम बेटे तक पहुँचने का रास्ता किस्मत ने ओमप्रकाश व बेबी को दिखा ही दिया। असल में बीती 2 जून 2009 को ढोंगी साधुओं की करतूत के शिकार हुए 2 मासूम बच्चों की खबर पढ़कर ओम प्रकाश अपनी पत्नी को लेकर कुरुक्षेत्र राजकीय रेलवे पुलिस के संपर्क में आया। साधुओं के उत्पीड़न का शिकार हुए। बच्चे विजय (काल्पनिक नाम) को इस दंपति ने अपना बेटा होने का दावा किया लेकिन मामले की जांच कर चुके ए.एस.आई.तेजेन्द्रसिंह ने बड़ी मुश्किल से उन्हें समझाया कि यह बच्चा तो नेपाल का रहने वाला था। इसी दौरान परिजनों ने जांच अधिकारी को 'भोले दर्श दिखला जा' नामक सी.डी. दिखाई। यह सी.डी. कुछ साल पहले हरिद्वार के किसी मंदिर में तैयार की गई थी, सी.डी. में एक जटाधारी बच्चे की फोटो छपी हुई थी जिसके साथ एक साधु भी दिखाई दे रहा था। इस बच्चे को देखकर बदहवास मां की ममता जाग गई। जिसकी तलाश के लिए उसने राजकीय रेलवे पुलिस से जांच का आग्रह किया। परिजनों की लालसा देखकर ए.एस.आई. तेजेन्द्र सिंह को भी उन पर रहम आ गया तथा हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। रवि की तलाश में सबसे पहले राजकीय रेलवे पुलिस ने सी.डी. पर लिखे कुछ मोबाईल नंबरों के जरिए निर्माता व निर्देशक से संपर्क किया।

बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उक्त सी.डी. उन्होंने 4/5 साल पहले हरिद्वार से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी की तलहटी में तैयार की थी इसी मंदिर में आकर आखिर मां की ममता अपने लापता हुए बेटे को दोबारा पाने में कामयाब रही। शुरुआती पूछताछ में यहां के महंत सेवादास ने उनके पास एक गुमशुदा बच्चे होने की बात कही जिसका नाम रविदास उर्फ हरीदास है। महंत सेवादास ने बताया कि मंदिर के प्रबन्धक हरिदास ने मरने से पहले रविदास को अपना नाम हरिदास देकर यहां की अथाह संपत्ति के साथ मंदिर की गद्दी का वारिस भी घोषित कर दिया था। हरिदास की शिक्षा यहां के एक कान्वेंट स्कूल में हो रही है।

कुछ देर बाद ही स्कूल में एक शानदार कार में लौटे बेटे को देखकर मां की नजर एकाएक उस पर ठहर गई। मजेदार बात है कि 5 साल के वियोग के बाद बच्चे ने भी अपनी मां को पहचान लिया। वर्षों बाद मां से बिछुड़े बच्चे के मिलन को देखकर मंदिर में मौजूद लोग हैरान रह गए। रविदास के ठाट बाट देखकर परिजनों को बेहद हैरानगी हुई। बच्चे के शानदार भविष्य को देखते हुए पूरे परिवार ने उसे मंदिर में ही छोड़ने का फैसला लिया। ओम प्रकाश उर्फ मंगल व बेबी ने बच्चे की तलाश में अहम भूमिका निभाने वाली राजकीय रेलवे पुलिस की अधीक्षक भारती अरोड़ा के साथ जांच अधिकारियों की जमकर सराहना की। दंपति की मानें तो अगर जी.आर.पी. उन्हें सहयोग न करती तो संभवतः इस जन्म में वे अपने बच्चे को नहीं देख पाते।

जो मनुष्य हमेशा हर एक की बुराई करने को सोचता है वह दूसरों से अपनी भलाई की मांग कैसे कर सकता है।

पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधारोपण अभियान का आगाज

पर्यावरण के प्रति सबको जागरूक करने व उसमें जी. आर. पी. की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 5-7-09 को हरियाणा प्रदेश के सभी थानों में पुलिस अधीक्षक,रेलवे श्रीमती भारती अरोड़ा के दिशा निर्देश में पुलिस कर्मियों व रेलवार्डन ने सामूहिक रुप से मिलकर करीब 5000 पौधे लगाये। जिनमें औषधीय पौधों की संख्या बहुतायत है । इस अवसर पर स्वच्छ पर्यावरण एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण के लिए पौधों के महत्व की जानकारी भी सभी सदस्यों को दी गई ।इस अभियान का आगाज जी.आर.पी. थाना अंबाला छावनी से किया गया । यहाँ 155 पौधे रोपित किये गये । इस दौरान रेलवे पुलिस की अधीक्षक श्रीमती भारती अरोड़ा ने वातावरण की शुद्धता एवं स्वच्छता के लिए सभी कर्मियों व रेलवार्डन को ज्यादा से ज्यादा पे लगाए जाने की प्रेरणा दी। इस अभियान में उन्होंने अधिकारियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की। पुलिस द्वारा पर्यावरण के प्रति सजगता का यह अपनी तरह का अनूठा अभियान था ।

कैथल में पौधारोपण करते रेलवार्डन एवं जी.आर.पी. कर्मचारी

योग के जरिए तनाव से मुक्ति संभव

गत कई वर्षों से एस.पी. रेलवे की प्रेरणा एवं प्रयास से जी. आर. पी. लाईन अंबाला शहर में स्टाफ को तनाव एवं रोगमुक्त रखने के उद्देश्य से समय-समय पर योगशिविरों का आयोजन होता रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आये हैं। इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए जी.आर.पी. लाईन में योग आचार्य श्री रमेश आर्य के मार्गदर्शन में 6 जुलाई 2009 से एक 5 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ हवन यज्ञ के साथ हुआ । पहले दिन के यज्ञ में श्री मनबीर सिंह उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय अम्बाला व निरीक्षक ईश्वर सिंह ने भी आहुति डाली। इस शिविर में शारीरिक रुप से स्वस्थ व फिट रहने के लिए ऋषि मुनियों की धरोहर योग विद्या एवं प्राणायाम के बारे में ज्ञान कराया गया। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की भी जानकारी दी गई ।लम्बे समय तक ड्यूटी देने वाले जी.आर.पी. स्टाफ को तनावमुक्त रखने व रोगों से बचाने में योग शिक्षा बहुत कारगर साबित हुई है। श्रीमती भारती अरोड़ा एस.पी. रेलवेज़ का मानना है कि योग एवं प्राणायाम से न केवल शारीरिक रुप से एवं मानसिक रुप से स्टाफ अधिक स्वस्थ होता है बल्कि आध्यात्मिक तौर पर मजबूत होता है।

योग शिविर में भाग लेते जी.आर.पी. अधिकारी एवं कर्मचारी

योगशिविर में भाग लेते रेलवार्डन एवं जी.आर.पी कर्मचारी

जी.आर.पी. कर्मियों व रेलवार्डनों को सिखाए योग के गुर

निरंतर ड्यूटी की वजह से अचानक पनपने वाले तनाव से मुक्ति के लिए राजकीय रेलवे पुलिस व रेलवार्डन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में योगशिविर का आयोजन किया गया । कुरुक्षेत्र में आयोजित हुए इस शिविर में योग के जरिए तनाव से निपटने के कारगर उपाय बताए गए । एसोसिएशन के महासचिव एवं योग प्रशिक्षक श्री विजय कुमार वत्स ने शिविर में अंबाला, करनाल, कैथल, व कुरुक्षेत्र राजकीय रेलवे पुलिस के कर्मियों के साथ रेलवार्डनों को भी योग की बारीकियों से रूबरू कराया। शिविर के दौरान श्री विजय कुमार वत्स ने बताया कि ऋषि मुनियों की धरोहर योगासन एवं प्राणायाम के जरिए आनंद की प्राप्ति होती है । उन्होंने दावे से कहा कि योग के जरिए खतरनाक बिमारियों से छुटकारा भी आसानी से पाया जा सकता है। बता दें कि योग शिविर 8 जून से 10 जून तक चला जिसमें निःसंकोच होकर रेलवार्डनों के साथ जी.आर.पी. अधिकारियों व कर्मियों ने भी बढ़-चढ़ कर योग के गुर सीखे।

सचेत यात्री सुरक्षित यात्रा ।

गवाही से मुकरने पर मिली सजा

पीड़ित ही फंसा आपराधिक मामला में

आमतौर पर पीड़ित की तहरीर पर ही पुलिस आरोपी को अदालत में दोषी साबित करने के हर संभव प्रयास करती है लेकिन एक मामला ऐसा भी है जिसमें पीड़ित ने उन दोषियों को बचाने का प्रयास किया जिनके खिलाफ उसी ने वारदात को अंजाम देने का दावा किया। अगर जाँच अधिकारी मुस्तैद न होते तो संभवतः दोषी आसानी से बच जाते। मामले की हकीकत उजागर होने के बाद अदालत ने पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। अदालत के ही आदेश पर पुलिस ने गवाही से मुकरने वाले पीड़ित के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये। असल में हम बात कर रहे हैं 23 अक्तूबर 2007 को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर हुए घटनाक्रम की। यह घटनाक्रम उस समय हुआ जब उत्तर प्रदेश के जिला कुशीनगर वासी छेदीलाल पुत्र ... इस दिन अपने चचेरे भाई छोटे लाल पुत्र रामानंद को रेलवे स्टेशन पर छोड़ने आया था। इसके बाद छेदी लाल अपने भाई के लिए टिकट लेने खिड़की पर चला गया। वापस आने के बाद छेदी लाल का भाई छोटे लाल अपनी जगह से गायब था। जाँच के बाद ही छोटे लाल थोड़ी दूरी पर बेहोशी की हालत में मिला। जबकि उसका सारा सामान भी गायब था। गंभीर हालत में उसे कुरुक्षेत्र के सिविल हस्पताल में दाखिल करवाया गया। जहाँ राजकीय रेलवे पुलिस ने छेदी लाल के ब्यान दर्ज किए हालांकि छोटे लाल को 2 दिन तक होश नहीं आया। पुलिस ने जहरखुरानी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। करीब 2 दिन बाद यानि 26 अक्तूबर 2007 को राजकीय रेलवे पुलिस कुरुक्षेत्र के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह ने मुजफ्फरनगर के ... गांव निवासी हरमेश उर्फ रमेश व शहजाद को नीलोखेड़ी स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। शुरूआती पूछताछ में ही दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने जाँच के दौरान हरमेश व शहजाद के घर से चोरी का माल जब्त कर लिया। पुख्ता जाँच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कुरुक्षेत्र की फास्ट ट्रैक श्री एस.एस. ... की अदालत में चार्जशीट दायर की गई। मामले की सुनवाई के दौरान ही जाँच अधिकारी ईश्वर सिंह को पीड़ित छोटे लाल व चश्मदीद छेदी लाल के आरोपियों से मिलने की भनक लग गई। जाँच अधिकारी ने इस सिलसिले में अदालत में एक याचिका दायर कर पीड़ितों की मंशा से अवगत करवा दिया। इसी कड़ी में अदालत में पीड़ित छोटे लाल द्वारा आरोपियों की शिनाख्त करवाने से मना कर दिया, जबकि गवाह छेदी लाल की गवाही ज्यादा नहीं बदली। पर्याप्त सबूतों के आधार पर अदालत ने बाद में दोषियों को अढ़ाई-2 साल के कारावास की सजा के साथ 1000/- 1000/- रुपये का जुर्माना भी ठोक दिया। जुर्माने की अदायगी न होने पर अदालत ने दोषियों के लिए अतिरिक्त सजा का भी प्रावधान रखा। मामले की गंभीरता के कारण पूरे एक साल तक किसी आरोपी की जमानत याचिका अदालत ने मंजूर नहीं की। इसके बाद अदालत ने आरोपियों के कब्जे से बरामद माल की सुपुर्दगी लेने वाले पीड़ित छोटे लाल को माल दोबारा अदालत में पेश करने के आदेश दिये लेकिन छोटे लाल ने आदेशों को नकार दिया। आरोपियों से मिलीभगत होने की वजह से बाद में अदालत ने छोटे लाल के खिलाफ पुलिस को आपराधिक मामला दर्ज करने के आदेश जारी किए। इस मामले की सुनवाई यहां की अदालत में सुनवाई के लिए विचाराधीन है। अदालत ने निरीक्षक ईश्वर सिंह के अलावा इस मामले की मुस्तैदी से जांच करने वाले ए.एस.आई. सहाब सिंह, ई. ए.एस.आई. सब्बाती राम, ई.एच.सी. राजकुमार तथा दर्शन सिंह की भी सराहना की।

साधुओं ने किया भगवे को दागदार

रेलवार्डनों की मुस्तैदी से मामले का हुआ खुलासा

ढोंगी साधुओं के कारनामों की पोल खोलने वाले दम्पति रेलवार्डन।

साधु चोले के पीछे दो दरिंदे अपने जिस्म की भूख मिटाते रहे। इन दरिंदों ने न केवल दो बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाया बल्कि भगवा चोले पर ऐसा दाग लगा दिया जिसे साफ किया जाना संभव नहीं है। दम्पति रेलवार्डन श्री रोशन लाल एवं आशा रानी के अतिरिक्त दिवानचन्द गांधी, डा. लोकनाथ शर्मा, श्री विजय कुमार कास एवं राजकीय रेलवे पुलिस की तत्परता से ही साधुओं की घटिया हरकत की पोल खुल गई। बच्चों से कुकर्म करने के आरोप में अब दोनों ढोंगी साधु सलाखों के पीछे हवा खा रहे हैं। साधुओं की दरिंदगी की पोल उस समय खुली जब बीती 26 मई 09 को राजकीय रेलवे पुलिस कुरुक्षेत्र में तैनात ए.एस.आई. तेजेन्द्र सिंह नियमित चैकिंग के दौरान गश्त कर रहा था तभी 15 साल के एक मासूम बच्चे ने ए.एस.आई. तेजेन्द्र सिंह को अपने व सहयोगी के साथ कुकर्म की वारदात का जिक्र किया। मूलत: उत्तर प्रदेश के जिला जसरौली के गांव मैमड़ी के रहने वाले मासूम अजयकुमार (बदला हुआ नाम) ने ए.एस.आई. तेजेन्द्र सिंह को बताया कि उसका परिवार मेहनत मजदूरी के लिए जालन्धर आया हुआ है। पिता ने उसे मजदूरी के लिए फगवाड़ा भेजा था लेकिन यहां स्टेशन पर साधुवेशधारी मकबूल हुसैन से उसकी मुलाकात हो गई। अपनी चिकनी चुपड़ी बातों में उलझाकर मकबूल ने अजय को अपना चेला बनने के लिए मना लिया। अजय के मुताबिक बाद में मकबूल उसे अमृतसर ले गया जहां उसे भगवा कपड़ों के साथ रंग-बिरंगी मालाएं भी पहना दी। मासूम ने बताया कि उसी रात ही नशे में धुत होकर मकबूल हुसैन ने उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला। ढोंगी साधु

किसी भी अनजान व्यक्ति से मिठाई या प्रसाद ग्रहण करना खतरनाक हो सकता है।

निरंतर मासूम से कुकर्म करता रहा लेकिन उसके धमकाने की वजह से उसने किसी को मकबूल की हरकत का जिक्र नहीं किया। कुछ दिन बाद ही मकबूल को उसका सहयोगी साधुवेश धारी शेरा उर्फ शेर गिरि मिल गया । शेर गिरि के साथ भी नेपाल के काठमांडू का रहने वाला करीब 14 वर्षीय विजय बहादुर (काल्पनिक नाम) था। इसके बाद दोनों साधु बच्चों को लेकर कुरुक्षेत्र में प्रस्तावित एक भंडारे में शामिल होने के लिए यहां पहुंच गए । अजय ने बताया कि 25 मई को यहां पहुँचने के बाद भी दोनों साधुओं ने तालाब के किनारे पार्क में उनके साथ कुकर्म किया । कुकर्म करने के बाद दोनों बच्चों को साधुओं ने जान से मारने की भी धमकी दी। डर की वजह से अजय व विजय ने अपने साथ हो रहे जुर्म की शिकायत किसी से नहीं की । कुरुक्षेत्र के थानेसर रेलवे स्टेशन पर ही रेलवाईन दम्पति से अचानक मुलाकात के बाद अजय व विजय ने साधुओं की पोल खोल दी। मामले की गंभीरता के बाद रेलवे पुलिस ने आरोपी साधुओं के खिलाफ बच्चों से कुकर्म करने के आरोप में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया । जांच अधिकारियों के मुताबिक मैडिकल जाँच रिपोर्ट में भी बच्चों से कुकर्म होने की पुष्टि हो गई। जांच के दौरान ही बच्चों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया है जबकि वहशी साधु कुरुक्षेत्र जेल में बंद है ।

हरियाणा पुलिस कर्मचारियों के मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृति

हरियाणा पुलिस कल्याण कोष में हरियाणा पुलिस के कर्मचारियों/अधिकारियों के मेधावी बच्चों के लिए छात्रवृति देने का प्रावधान है । इस स्कीम के प्रमुख बिन्दु निम्न प्रकार है :-

(क)	पांचवी कक्षा के लिए (जो छठी कक्षा में पढ़ रहें है)	300 रुपये प्रतिवर्ष
(ख)	आठवीं कक्षा के लिए (जो नौवीं कक्षा में पढ़ रहें हैं)	500 रुपये प्रतिवर्ष
(ग)	दसवीं कक्षा के लिए (जो ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं)	800 रुपये प्रतिवर्ष

नोट:- उपरोक्त तीन श्रेणीयों में फायदा लेने के लिए बोर्ड परीक्षा का प्रमाण पत्र अनिवार्य है।

(घ)	बाहरवीं कक्षा के लिए	1000 रुपये प्रतिवर्ष
(ड)	तीन वर्षीय कोर्स (भाग- I, भाग- II व भाग- III)	1200 रुपये प्रतिवर्ष
(च)	स्नातकोत्तर के लिए या विधि स्नातक व इसके समकक्ष डिग्रियां	2000 रुपये प्रतिवर्ष
(छ)	दवाईयों के क्षेत्र में डिप्लोमा, डी. फार्मेसी, इन्जीनियरिंग, साईंस, आई.टी.आई., बी. फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, कम्प्यूटर/इलैक्ट्रोनिक्स और अन्य समान शक्तियां और होटल मनेजमैंट	1200 रुपये प्रतिवर्ष

(ज) मेडिसन, इन्जीनियरिंग टैक्नोलोजी, आरटीटैक्चर, बिजनेस, प्रशासन और वेटरनरी साईंस, पी.एच.डी., एम.फिल., एल.एल.एम., चार्टेड अकाउटैंसी के लिए कंपनी सचिव या उसके समान उच्चतर शिक्षा जैसे स्नातकोत्तर /डिप्लोमा और अन्य समान शक्ति वाले कोर्स आदि जो तालिका 'क' में दर्शित हैं (केवल भारत में) और अन्य उच्चतर शिक्षा कोर्स जो राज्यपाल द्वारा अनुमोदित हों।

(ii) हरियाणा पुलिस के सभी पदाधिकारी, मिनिस्ट्रयल स्टाफ, चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के बच्चे उपरोक्त लाभ के हकदार होंगे । छात्रवृति उन बच्चों को देय होगी जो कम से कम विभिन्न परीक्षाएं जो कि मान्यता प्राप्त बोर्ड/ विश्वविद्यालय आदि के द्वारा की गई में कम से कम न्यूनतम अंको की प्रतिशतता हासिल करेंगे। योग्यता के मापदण्ड निम्न प्रकार से होंगे :-

राजपत्रित अधिकारियों के बच्चे	70 प्रतिशत या अधिक
अराजपत्रित कर्मचारियों के बच्चे	65 प्रतिशत या अधिक
दूसरे पद के कर्मचारियों के बच्चे	55 प्रतिशत या अधिक
चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के बच्चे	55 प्रतिशत या अधिक

(iii) पूर्ण छात्रवृति नियमित अंशदाता को नियमित स्केल के अनुसार केवल दो बच्चों तक सीमित होगी । दावा फार्म डी के तहत जिस वर्ष परीक्षा पास की है उसी वर्ष को प्राथमिकता दी जाएगी । उप कमेटी की प्रधानता निरन्तर एक अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए जो कि उप पुलिस महानिरीक्षक या पुलिस महानिरीक्षक पद का हो जो कि समाज के प्रधान द्वारा छात्रवृतियां प्रदान करने के लिए की गई प्रत्येक सभा को निरन्तर आयोजित कर सकें।

शैक्षणिक उत्कृष्टता सम्मान

सभी पदों पर स्थित पुलिस कर्मचारियों (सेवा में, सेवानिवृत व मृतक) के बच्चों को बी.ए./बी.कॉम, बाहरवीं (कला, विज्ञान व वाणिज्य व दसवीं सम्बन्धित कॉलेज व स्कूल जैसा भी केस होगा प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थिति मैरिट लिस्ट सूची में शामिल करने पर 1100/-, 750/- व 500/- रुपये क्रमश: प्रत्येक कक्षा में दिया जाएगा ।

एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए पुल का प्रयोग करें।

कलयुगी पिता के कत्ल ने बेटे की नींद हराम की

साढ़े 3 साल बाद खुला हत्या का राज

कत्ल के सनसनीखेज खुलासे पर चौंक गई पुलिस

पिता के कत्ल की साजिश ने एक बेटे की नींद हराम कर दी। करीब साढ़े 3 साल तक बेटे ने अपने पिता की हत्या का राज सीने में दबाए रखा। यह जुर्म की ऐसी सनसनीखेज वारदात है जिस पर शायद कोई यकीन न कर सके लेकिन बिल्कुल सच है रोहतक की सोहूराम कालोनी के रहने वाले जयवीर सिंह ने अपने कलयुगी पिता धर्मपाल को इसलिए मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि वह अक्सर शराब पीकर उसकी माँ व जवान बहन को जलील करता था। नशाखोर धर्मपाल अक्सर अपनी जवान बेटी से अश्लील हरकतें करने से भी बाज नहीं आता था इसी वजह से जयवीर सिंह ने अपने रंगीनमिजाज पिता को ठिकाने लगाने की साजिश रची। इस साजिश में उसने अपने दोस्त अमित उर्फ सूरी को भी शामिल किया। 28 अक्तूबर 2005 को जयवीर सिंह ने दोस्त के सहयोग से अपने पिता धर्मपाल को रोहतक पी.जी.आई. के पास रेलवे ट्रैक पर कुल्हाड़ी व हैंड पंप की हत्थी के जरिए कत्ल कर लाश वहीं फैंक दी। मजेदार बात है कि लाश के टुकड़े होने की वजह से इसकी पहचान नहीं हो पाई पता होते हुए भी जयवीर सिंह ने लाश को पहचानने से इंकार कर दिया। लावारिस मानकर रेलवे पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। वारदात के बाद करीब साढ़े 3 साल बाद इस वारदात का खुलासा उस समय हुआ जब किसी मामले में जयवीर सिंह व उसका साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जयवीर सिंह ने रिमांड के दौरान अपने पिता के कत्ल का अपराध स्वीकार किया। अपराध स्वीकारने के बाद ही आखिर जयवीर की आत्मा को भी चैन आ गया। पुलिस के समक्ष पूछताछ के दौरान माना कि कलयुगी पिता को मौत के घाट उतारने का उसे कोई मलाल नहीं है लेकिन कत्ल का बोझ उसके दिल पर था जिसकी वजह से उसकी नींद हराम हो गई। पिता के कत्ल की वजह से वह साढ़े 3 साल तक चैन से सो नहीं सका। मगर पुलिस के सामने अपराध कबूल करने के बादउसने माना कि उसके दिल को सुकून मिल गया है। अपराध स्वीकारने के बाद रोहतक जी.आर.पी. ने जयवीर व उसके दोस्त के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। बाकायदा जी.आर.पी थाना प्रभारी देसराज ने रिमांड के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल्हाड़ी व हत्थी भी बरामद कर दी। अब दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत में चल रहे हैं।

थोड़ा सा

थोड़ा सा सम्मान मिला।
पागल हो गए।।
थोड़ा सा धन मिला।
बेकाबू हो गए।।
थोड़ा सा यश मिला।
दुनिया पर हँसने लगे।।
थोड़ा सा रूप मिला।
दर्पण ही तोड़ डाला।।
थोड़ा सा अधिकार मिला।
दूसरों को तबाह कर दिया।।
इस प्रकार तमाम उम्र जवानी से पानी भरते रहे।
अपनी समझ से बहुत बड़ा काम करते रहे।।
दुनिया को नहीं खुद को सुधारने की जरूरत है।

एम.एस. जैद खान
मंडल सुरक्षा आयुक्त,
रेलवे सुरक्षा बल, अम्बाला

DRINK WATER AND BE HEALTHY
MIRACLES OF WATER THERAPY

Several chronic diseases for which no cure has been found can be cured by asimple method called WATER THERAPY. The japanese Sickness Association confirms that several diseases such as headache, hypertension, obesity, diabetes, arthritis,heumatism, sinusits,rhinitis, constipation, irregular menstruation, urogenital,problems etc. are cured by WATER THERAPY.

Although it sounds incredible. Ithas been proved factual and is recommended by several doctors as well. Human health depends mainly on the digestive system. As Swamy Paramhansa Yogananda said, it is over eating all the 365 days of a year, that leads to most of the diseases.

Whereas, drinking ordinary potable water helps clean the stomach and enables the intestine to form new fresh blood called 'Haematoposis' 5 glasses of water (1.20 kg or 1200 cc) should be taken in one stretch. You may give a short break. Do spot walking exercise for a few minutes and complete the rest of water. Take necessary precaution against impurities of water . Water should be boiled and cooled if purity is suspected.

For the next 45 minutes to one hour after drinking water, no other beverage of eatable should be taken. After supper one should not have any stimulating beverage or a soft drink.

During the first few days of therapy, one may pass urine 3-4 times within one hour after drinking water. Some may have even loose stools. But in a short period everyting comes back to normalcy and symptoms of relief from the disease will be seen.

Persons suffering from arthritis and rheumatism should take WATER THERAPY three times a day in the first week and thereafter may practice it once a day. Whiel practicing WATER THERAPY water should be taken two hours after each meal and not before that.

A boy who followed this therapy sums up his experience thus : " After drinking water, I urinated three times in one hour. Later breakfast tasted wounderful. The next day may bowels were free. In three months I put on weight. Ever since I took to WATER THERAPY. I never fell sick nor was I affected by cold or cougth.

Experience shows that thefollowing diseases can be cured in the stipulated periods mentioned in the brackets. Hypertension (one month), Diabetes (one to two weeks), Gastritis (One week) Constipation (one or two days).

Courtesy :
Japanese Sickness Association
Quoted by : Ishwar Singh Inspr.

जी.आर.पी. हरियाणा से सहायता के लिए कन्ट्रोल रूम न. 0171-2641982 एवं टोल फ्री नं. 1800-180-1135 पर संपर्क कर सकते हैं

जी.आर.पी. ने बचाई नन्ही जानें

जहां जीआरपी अपराधों की रोकथाम के लिए कटिबद्ध है वहीं सामाजिक कार्यों में भी अपनी उपस्थिति निरंतर दर्ज करवा रही है। रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ के दौरान लापता हो जाने वाले व शिक्षकों के दबाव में घर से भागने वाले बच्चों को जीआरपी उनके परिजनों तक पहुंचाने में कामयाब रही। पिछले साल जी.आर.पी. ने 74 बच्चों के साथ 3 बुजुर्गों व 3 महिलाओं व मानसिक तौर पर बीमार एक महिला व एक बुजुर्ग को उनके परिजनों के हवाले किया। यह पुलिस के लिए बेहद बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। आमतौर पर लावारिस बच्चों को परिजनों तक पहुंचाना, बड़ा मुश्किल कार्य होता है क्योंकि छोटे बच्चे अपनी पहचान बताने में असमर्थ होते हैं। इसी वजह से वे अपने परिजनों के बारे में भी कुछ नहीं बता पाते। चालू वर्ष में भी अब तक जीआरपी 141 लावारिस बच्चों को उनके परिजनों तक पहुंचा चुकी है। ऐसे लावारिस बच्चों को परिजनों तक पहुंचाने के लिए जीआरपी ने मिसिंग पर्सन स्क्वायड भी स्थापित किया है।

दिनांक 2-5-09 को मेरा बेटा साहिल घर से स्कूल जाने के लिए निकला था परन्तु स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि आपका बच्चा आज स्कूल नहीं आया है। बच्चे की तलाश में हम स्कूल के स्टाफ सहित सारा दिन भटकते रहे । तब जी.आर.पी. अंबाला की सूचना पर गन्नौर थाना से राजबीर नामक हवलदार ने हमें बताया कि आपका बच्चा अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर पहुँच गया है और जी.आर.पी. अंबाला के पास सकुशल है । सूचना पाकर हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा । और उसी रात को थाना जी.आर.पी अंबाला से प्राप्त कर लिया । जी.आर.पी. के जरिये हमारे जीवन की खुशियां लौट आई । इस नेक कार्य के लिए मैं सदैव जी.आर.पी. हरियाणा का आभारी रहूँगी।

साहिल की माँ निवासी गन्नौर जिला सोनीपत

जी.आर.पी. अंबाला साहिल को उसके परिजनों को सौंपते हुए

दिनांक 27-6-09 को मैं अपने परिवार सहित मुरादाबाद से हरिद्वार स्नान के लिए आया था । उसी रात्रि को जब हम एक होटल पर खाना खा रहे थे मेरी लड़की छाया उर्फ सायल उम्र 3 साल हरिद्वार से गायब हो गई । मैंने तुरन्त इसकी रिपोर्ट स्थानीय थाना हरिद्वार में लिखवाई। दिनांक 9-7-09 तक हम हर थाना, चौकी व रिश्तेदारियों में लड़की की तलाश के लिए भटकते रहे । मेरी पत्नी ने रो-रोकर बुरा हाल कर लिया । परन्तु जब दिनांक 9-7-09 की रात्रि को हमारे एक करीबी रिश्तेदार ने दिल्ली से सूचना दी कि छाया की फोटो टी.वी. में बार-बार दिखाई जा रही है और वह जी.आर.पी. थाना अंबाला में सकुशल है । सूचना पाकर अगले दिन प्रातः 10-7-09 को हम लड़की को सकुशल लेने के लिए थाना जी.आर.पी. अंबाला आये । आकर अपनी लड़की को प्राप्त कर लिया । हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा. इस नेक कार्य के लिए हम जिंदगी भर जी.आर.पी. ऋणी रहेंगे।

उमेश पिता छाया निवासी गाँव हरचला जिला मुरादाबाद उ.प्र.

जी.आर.पी. अंबाला छाया को उसके परिजनों को सौंपते हुए

जी.आर.पी. ने दिया वृद्ध को जीवनदान

दिनांक 3 जून 2009 को रात्रि को जब हवा सिंह हवलदार रेलवे स्टेशन कुरुक्षेत्र पर ड्यूटी पर तैनात था तो बिजली न होने के कारण प्लेटफार्म पर अँधेरा था । अचानक उसे रेलवे ट्रैक में पड़े कराहते हुए एक वृद्ध आदमी की आवाज सुनाई दी । हवासिंह हवलदार उसे ट्रैक से उठाकर थाना में लाया वृद्ध आदमी की बाजू गिरने के कारण तीन जगह से टूटी हुई थी व सिर में भी गुम चोटें आने के कारण बेहोश हो गया । मौके पर खड़े एक अर्जुन शर्मा नामक व्यक्ति ने बताया कि यह वृद्ध आदमी अभी मेरे साथ एक डाक्टर से दवाई लेकर आया था तथा अपने घर जा रहा था । डाक्टर का पता पूछकर हवासिंह तुरन्त वृद्ध को अस्पताल ले गया । वहाँ रात्रि 2 बजे जब वृद्ध व्यक्ति को होश आने पर उसने अपना परिचय बिशनदास मेहता वासी मकान नं 1258 सेक्टर 13 कुरुक्षेत्र कराया । मेहता के परिवार वालों ने अपने वृद्ध पिता को सकुशल पाकर जी.आर.पी. हवलदार हवासिंह की जमकर तारीफ की । मेहता ने इस हवलदार को फरिश्ता बताते हुए आभार जताया ।

जी.आर.पी. जवान के हवासिंह के साथ श्री बिशनदास मेहता

सेवा, सुरक्षा, सहयोग

Life is an Examination

हो Demotion या Promotion
निकालो मन से Tension
रखो हृदय में Satisfaction
जग है Temporary station
सत्कर्मों में रखो Attention
साधना में करो Promotion
महापुरुषों को याद रखो Notion
करो सुंदर Creation
यह जन्म है Probation
करो गुरु की Selection
भूल कर न करो Omission
ईश्वर की मिलेगी Permission
पास करोगे life examination

बबीता जैना
रेलवार्डन,अंबाला

चुटकुले

ट्रेन रुकते ही एक यात्री ने डिब्बे के पास खड़े एक लड़के को बुलाया — यह लो दो रुपये, पास की दुकान से मेरे लिए दो समोसे ले आओ। यह दो रुपये और लो, इसके तुम अपने लिए भी समोसे लेकर खा लेना । कुछ समय बाद गाड़ी ने सीटी दी और चल पड़ी। लड़का दौड़ता हुआ आया और बोला — अंकल यह लीजिए अपने दो रुपये । दुकानदार के पास केवल दो ही समोसे थे, जो मैंने खा लिए ।

बबीता जैना
रेलवार्डन अंबाला।

सुरेन्द्र मदान एस.एच.ओ. रेलवे पुलिस पानीपत लगा हुआ है । एक बार उसका एक रिश्तेदार रोहतक पी.जी.आई.के पागलों वाले वार्ड में दाखिल था वह उसको मिलने गया । सुरेन्द्र ने सुन रखा था कि वहाँ सिक्योरिटी वाले बहुत टोकते हैं और वह था भी सादे कपड़ों में अभी वह वार्ड में दाखिल हो ही रहा था कि अचानक एक हट्टे कट्टे आदमी ने पूछा कि अब ओये तू कौन है सुरेन्द्र ने समझा कि यह सिक्योरिटी वाला है और कहा कि मैं सुरेन्द्र मदान थानेदार हूँ तो उस व्यक्ति ने कहा कोई बात नहीं अहिस्ता अहिस्ता ठीक हो जायेगा जब मैं शुरू में यहाँ आया तो मैं भी अपने आपको एस.पी. बताता था ।

उ.नि. कृष्ण कुमार
प्रबन्धक थाना जी.आर.पी. चण्डीगढ़ ।

बेटी की पुकार

माँ.......
सुन बेटी की पुकार,
मेरे जन्म को सुधार, माँ...
मेरे जन्म का बन आधार,

तेरी ममतामयी छाँव में,
मैं भी रहना चाहती हूँ
तेरा आंचल पकड़ नन्हें हाथों से,
कुछ मैं भी कहना चाहती हूँ,
आने दो मुझको अपने आंगन-द्वार,
मेरे जन्म का बन आधार, माँ...
सुन बेटी

तेरी ही तो अंग हूँ,
अंश हूँ मैं तेरा,
क्यों छीनती हो तुम मुझसे
जीने का अधिकार मेरा,
खेलने दो मुझे, अपने आंगन-द्वार
मेरे जन्म को सुधार, माँ...

तेरी हर सितम सह लूंगी,
मैं तो भूखी भी रह लूंगी,
पर एक बार अपने होठों से
मुझे माँ तो कह लूंगी,
बेशक मुझे मत देना दुलार, माँ...
मेरे जन्म का बन आधार,
सुन बेटी.....

पापा की मैं शान बनूंगी,
मैया की मैं आन बनूंगी,
तेरा सिर गर्व से ऊँचा करूंगी,
सारे कुल का नाम रोशन करूंगी,
बेशक मुझे मत देना प्यार, माँ...
मेरे जन्म का बन आधार,
सुन बेटी .....

कंचन हांडा,
रेलवार्डन कैथल

Euphoria India
Pharmaceuticals

जी.आर.पी. हरियाणा सदैव आपकी सेवा में तत्पर

जीवन सूत्र

चकोर को चैन मिलता है चन्दमा को देखकर, कमल खिलता है सूर्य को देखकर, शिष्य का हृदय खिलता है, सद्गुरु को देखकर ।

ईंट पत्थर से तो मकान बनते है, और भावनाओं से घर बनते है,

सम्राट के साथ राज्य करना भी बुरा है ना जाने कब सजा दें, संत के साथ भीख मांगना भी अच्छा न जाने कब प्रभु से मिला दे।

बचपन में मनोबल होता नहीं और बुढ़ापे में मनोबल टूट जाता है परिश्रम के साथ-2 जब कृपा जुड़ जाती है तो भाग्य भी चार गुणा अधिक मिलता है । कठिनाईयां आपके जीवन में बाधा डालने नही आती आपको नापने आती है । बाधाओं को लांघकर आगे बढ़ने वाले ही जग में महान है।

जैसे चुन-2 कर चीजें घर का ड्राईंग रूम सजाते हो वैसे ही चुनचुनकर गुणों से हृदय के मन्दिर को सजाने की कोशिश करो ।

गहरी श्रद्धा होगी तो आपके अन्दर स्थिरता आएगी जैसे-2 स्थिरता आएगी चंचलता खत्म होगी तो सहन शक्ति बढ़ेगी । सहन शक्ति बढ़ेगी तो फिर दु:ख नहीं लगेगा ।

हर दिन इस तरह बिताओ कि रात को चैन की नींद आ सके । हर रात ऐसे बिताओ कि जागों तो चेहरे पर ताजगी हो, प्रसन्नता हो, जवानी को ऐसे बिताओ कि बुढ़ापे में पछताना न पड़े । बुढ़ापे को ऐसे बिताओं कि किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े ।

सेवा करें .... स्वार्थ नहीं

अच्छाई के लिए वक्त मिला नहीं, बुराई बेवक्त किए जाते हो ।
क्यो अपनी चिन्ताएं बढ़ाते हो, बेवजह औरों को सताते हो ॥
ईंसा बने हो तन से, मन के भी ईंसान बनो।
कुछ कर डालो जहां के लिए ताकि एक जिंदा मिसाल बनो।
मन की खुशिया न मिले दौलत से, न ऐशोआराम से
मन की खुशिया तो सिर्फ मिलती है नेक काम से
आओ यह प्रण कर ही डालो, समाज को दुविधा से बाहर निकालो।
करें हम अभी से देश की सेवा, जन जन की तन मन से सेवा
न चाह ही कुछ पाने की, बस सेवा करो जमाने की
स्वतंत्रता सभी को प्यारी है, पर देश की तकदीर अभी कहाँ सवारी है
आओ समाज को पलकों पर बिठाएं,
इसे अपने पन काएहसास दिलाए ।
आने जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेवारी हमारी है
बनो रेलवार्डन निस्वर्थ सेवा की यह मन की उमंग हमारी है
इस देश का कन-कण , इसकी मिट्टी हमें जान से प्यारी है
करें सुरक्षा समाज की, यही मन की लगन हमारी

कृष्ण मोहन
रेलवार्डन जगाधरी

संकट में है धरती

आज के वैज्ञानिक युग में नित नये वैज्ञानिक अनुसंधानों द्वारा मानव अपनी हर इच्छा शक्ति को साकार कर रहा है। इसके विपरीत इन वैज्ञानिक आविष्कारों के हानिकारक लक्षणों के कारण मानव जीवन की परेशानियां भी बढ़ी हैं । मानव विकास के लिए स्वस्थ वातावरण आवश्यक है। पेड़,पौधे जल मिट्टी वायुमण्डल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन सभी मिलकर संतुलित चक्र के रुप में जिस स्वस्थ वातावरण को निर्मित करते हैं। उसे ही पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है परि आवरण अर्थात हमारे चारों ओर छाया हुआ आवरण ।

विज्ञान नाम इंजन से निकली कालिख ने ईंसान के घर का क्या हाल किया है इसके सबूत साफ नजर आ रहे हैं । पिघलते ग्लेशियर सिकुड़ती धरती और बढ़ती गर्मी पूरी धमक के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज कराने लगी है। वातावरण में हर साल कार्बनडाइआक्साईड बढ़ रही है मशीनों की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो वह दिन दूर नहीं जब धरती से जिंदगी की सांसे उखड़ने लगेगी। तेजी से रंग बदलती आबो हवा ने दुनिया को यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन के सम्बन्ध में कुछ किया जाये। अपने को पृथ्वी का सर्वश्रेष्ठ जीव मानने वाले मनुष्य ने पिछले कुछ वर्षों में विकास के नाम पर किए कामों से प्रकृति के ऋतुचक्र को गड़बड़ा दिया है। उसके ठोस, द्रव और गैसीय संतुलन को, उसके शीत-ताप नियमन को तोड़ दिया है, नतीजे में उसे इस सदी में प्रकृति के जिस महाकोप का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्वतापीकरण या ग्लोबल वार्मिंग

मनुष्य ने जहाँ एक ओर उद्योगों की असंख्य श्रृंखला खड़ी कर दी है और दिन-प्रतिदिन करता ही जा रहा है, वहीं पर तेजी से जंगलों को काट रहा है और भूमि जल को तरह -तरह की गंदगियों से भर रहा है । पृथ्वी ने हमें विकास के लिए पर्याप्त अवसर दे रखा है । पर हम उसका दुरुपयोग कर रहे हैं। औद्योगिकीकरण, जो मानव विकास का एक माध्यम है, वही उसकीअविवेकपूर्ण और मानव विनाश का कारण भी है ।

शताब्दी के अन्त तक दुनिया भर में करीब एक अरब लोगों के सामने पानी की किल्लत होगी । ये लोग ग्लेशियरों को पिघलने पर पहाड़ों से आने वाले पानी की सप्लाई पर निर्भर है। लेकिन विकसित इन सब समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है, तथा पर्यावरण प्रदूषण का सारा दोष विकासशील देशों पर डाल देते है । इसलिए आज जरुरत है ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने की, ताकि इस धरती को संकट से बचाया जा सके।

वी.के. वत्स,
महासचिव,
रेलवार्डन एसोसिएशन ।

एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक जाने के लिए पुल का प्रयोग करें ।

अब विकट स्थिति में रेलयात्रियों को मिलेगी प्राथमिक चिकित्सा

रेल हादसों में जख्मी होने वाले यात्रियों को अब राजकीय रेलवे पुलिस के साथ रेलवार्डन भी प्राथमिक चिकित्सा मुहैया करवाएंगे। रेलवे की पुलिस अधीक्षक, श्रीमती भारती अरोड़ा के अथक प्रयासों से अब यह संभव होने जा रहा है। इसी वजह से जिला रेडक्रास के अधिकारी सेमीनारों के जरिए पुलिस कर्मियों के साथ रेलवार्डनों को विपत्ति के समय प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाने के गुर सिखाए जा रहे हैं। प्रदेश भर में स्थापित राजकीय रेलवे पुलिस के प्रत्येक थाने में सिलसिलेवार प्राथमिक चिकित्सा सुविधा की जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। असल में पुलिस कर्मियों व रेलवार्डनों को प्राथमिक चिकित्सा से रुबरू करवाने का मकसद हादसों या फिर बीमार यात्रियों की मृत्यु दर में कमी लाना है। आमतौर पर प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा न मिलने की वजह से अनेक यात्री चिकित्सक तक पहुँचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। मृत्यु दर में कमी लाने के मकसद से ही पुलिस कर्मियों के साथ रेलवार्डनों को जागरूक किया जा रहा है।

श्री रामपूर्ति शर्मा लैक्चरार जिला रेडक्रास अंबाला रेलवार्डन तथा जी.आर.पी. कर्मियों को प्राथमिक चिकित्सा सहायता की जानकारी देते हुए

ए.एस.आई. राजकपूर ने कायम की ईमानदारी की मिसाल

लावारिस बैग से मिली 5 हजार रुपये की नकदी

राजकीय रेलवे पुलिस के ए.एस.आई. राजकपूर ने भी ईमानदारी की ऐसी मिसाल कायम की जिसे सालों तक याद किया जाएगा। ईमानदारी की वजह से ही अब ए.एस.आई. राजकपूर को राजकीय रेलवे पुलिस की ओर से ईनाम दिए जाने की तैयारी हो रही है। असल में कुछ रोज पहले ए.एस.आई. राजकपूर को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर दिल्ली-कालका पैसेन्जर रेलगाड़ी से एक लावारिस बैग मिला था। इसकी सूचना उसने राजकीय रेलवे पुलिस के थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वर सिंह को दी। थाना प्रभारी की मौजूदगी में ही बैग को खंगाला गया। जांच के दौरान ही बैग से पुलिस को 5 हजार रुपये की नकदी के साथ कीमती कपड़ों के साथ उत्तरप्रदेश के जिला बदायू के गाँव सनए वासी सेवा सिंह का मतदाता पहचान पत्र भी मिला। इसी आधार पर बैग के मालिक की पहचान के लिए तुरन्त स्थानीय पुलिस अधीक्षक, जिला बदायू से संपर्क किया गया। सूचना पाकर सेवा सिंह थाना जी.आर.पी. अंबाला छावनी पहुँचा। सेवा सिंह से बैग उस समय गुम हो गया था जब वह सूर्यग्रहण कुरुक्षेत्र मेला व भगवान अमरनाथ यात्रा के लिए दिल्ली से कुरुक्षेत्र के लिए उक्त गाड़ी से सफर कर रहा था। पानीपत के पास बैग गुम होने की वजह से उसने बाद मे यात्रा स्थगित कर दी। मामले के दौरान ही आखिर पुलिस सेवा सिंह को ढूँढने मे कामयाब रही। सेवा सिंह भी पुलिस से अपना बैग पाकर बेहद खुश हुआ तथा राजकपूर की ईमानदारी की मीडिया के सामने जमकर प्रशंसा की। राजकपूर की ईमानदारी से प्रसन्न होकर स्वयं निरीक्षक ईश्वर सिंह ने उसे प्रशंसा पत्र एवं उचित ईनाम से सम्मानित करने की उच्च अधिकारियों को सिफारिश की है।

स.उ.नि. राजकपूर सेवा सिंह को उसका सामान व पैसे सौंपते हुए।

जो करे आग्रह खानपान का समझो गिरोह है ज़हरखुरान का

रेलवे सुरक्षा बल की मुस्तैदी से पकड़े गये शातिर चोर

निरीक्षक मुकेश कुमार अपनी टीम सहित अपराधियों के साथ

दिनाँक 29-6-09 को श्री रवि मदान व आकाश सिंह वासी पानीपत अवध एक्सप्रैस ट्रेन द्वारा जीन्द से बीकानेर जा रहे थे । दौराने सफर उनका एक बैग जिसमें नकद रुपये 51400/-, 3841244/- रुपये के 6 चैक एवं जरूरी दस्तावेज थे चोरी हो गये । अपने साथ घटी घटना के सम्बन्ध में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए दोनों यात्री रेलवे सुरक्षा बल कार्यालय भटिण्डा पहुँचकर श्री मुकेश कुमार प्रभारी रेलवे सुरक्षा बल से संपर्क किया । प्रभारी निरीक्षक ने तुरन्त मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त यात्रियों की शिकायत थाना जी.आर.पी. भटिण्डा में दर्ज कराई एवं सभी कर्मचारियों जगमालसिंह, गुरसहाब सिंह रेलवे सुरक्षा बल एवं जी.आर.पी. कर्मचारियों को साथ लेकर दोषियों की तलाश के लिए निकले । उसी दिन समय करीब 6 बजे जब तलाश में रेलवे स्टेशन भटिण्डा के एरिया में बने शिव मंदिर के पास पहुँचे तो पाँच लड़के संदिग्ध हालात में बैठे दिखाई दिये हैं । शक की बिनाह पर मुखदेव, सुखवीर सिंह, मक्खी, सुशील व कालू सभी 18/19 वर्ष निवासी मानसा पंजाब को पकड़ा । गहन पूछताछ पर सभी पाँच आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ही इन दोनों यात्रियों का सामान चुराया है दोषियों की निशानदेही पर रेलवे सुरक्षा बल एवं जी.आर.पी. भटिण्डा ने तत्परता दिखाते हुए चोरीशुदा सारा सामान बरामद किया । रेलवे सुरक्षा बल के मण्डल सुरक्षा आयुक्त श्री एम.एस.जैड खान ने निरीक्षक मुकेश कुमार व उसकी टीम की कार्यकुशलता सजगता एवं तत्परता की भारक प्रशंसा की तथा उच्च अधिकारियों को इस टीम को उचित ईनाम एवं प्रशंसा पत्र प्रदान करने की सिफारिश की ।

रेलवे एक नजर में

1- भारतीय रेलवे की सर्वप्रथम रेलगाड़ी 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर मुंबई अब छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से थाने के बीच शुरू हुई थी।

2- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम भूमिगत मैट्रो रेलवे कोलकाता में 24 अक्तूबर 1984 को चली ।

3- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण व्यवस्था 15 नवम्बर 1985 को नई दिल्ली में शुरू हुई ।

4- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम मीटरगेज पर चलने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रैस रेलगाड़ी पिंकसिटी एक्सप्रैस थी जो दिल्ली और जयपुर के बीच चली थी ।

5- भारतीय रेलवे में महिला स्पेशल ट्रेन 5 मई 1992 को पश्चिमी रेलवे के चर्चगेट-बोरीवली खण्ड में शुरू हुई थी ।

6- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम शताब्दी एक्सप्रैस 10 जुलाई 1988 को नई दिल्ली से झाँसी के मध्य चलाई गई थी जिसे बाद में 19-2-89 को भोपाल तक बढ़ा दिया गया ।

7- भारतीय रेलवे में प्रथम राजधानी एक्सप्रैस 1 मार्च 1969 को नई दिल्ली से हावड़ा के बीच चली थी।

8- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम प्रचलित भाप इंजन फाकलैंड था जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया था, यह 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर से थाने के बीच चला था ।

9- भारतीय रेलवे बोर्ड की स्थापना लार्ड कर्जन के शासन काल में 1905 ई. में हुई थी ।

10- भारतीय रेलवे ने सर्वप्रथम तत्काल आरक्षण सेवा 20 दिसम्बर 1997 को नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी एक्सप्रैस से प्रारम्भ किया था ।

11- भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम रेलगाड़ियों में टेलिफोन एस.टी.डी. आई.एस.डी. सेवा मुंबई -नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रैस में 11 अक्तूबर 1996 को शुरू हुई थी ।

12- भारतीय रेलवे की सबसे लम्बी यात्रा करने वाली रेलगाड़ी हिमसागर एक्सप्रैस जम्मू तवी है यह रेलगाड़ी 11 राज्यों से होते हुए 3738 कि.मी. की दूरी तय करती है। यह रेलगाड़ी जम्मू से कन्याकुमारी 3-10-1984 को चली थी ।

13- भारतीय रेल में 16 रेलवे जोन तथा 66 रेलवे डिवीजन है । हर डिवीजन का मुखिया डिवीजनल रेलवे मैनेजर कहलाता है।

कश्मीर सिंह ई.प्र.नि. 402

सम्पादकीय

सम्पादक

सह-सम्पादक

स्वतन्त्रता दिवस की 63वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर आप सबको 'सेफ रेल' परिवार व सम्पादक मण्डल की ओर से हार्दिक बधाई। भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव, चन्द्र शेखर आजाद जैसे अनगिनत देशभक्तों ने अपने जीवन की कुर्बानी देकर तथा स्वतन्त्रता सेनानियों की एक पूरी पीढ़ी के तप, त्याग और बलिदान से जो स्वतन्त्रता हमें प्राप्त हुई है उसकी रक्षा करना तथा भारत महान के गौरव को बढ़ाना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है । हम लोग चाहे किसी भी व्यवसाय में हों यदि अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से करें तभी यह संभव है।

हमें राष्ट्र हित में अपनी राष्ट्रीय धरोहर व संपत्ति की रक्षा करनी चाहिए - नदियों को प्रदूषण से बचाना, भू-जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण सभी का दायित्व बढ़ाना और जनसंख्या को घटाना - यह हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य हैं ।

रेलवार्डन एसोसिएशन गठन के बाद राजकीय रेलवे पुलिस व रेलवार्डनों के संयुक्त प्रयासों न केवल रेल अपराधों में कमी आई है अपितु पुलिस प्रशासन व आम नागरिक के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है जिसके लिए रेलवे के उच्च पुलिस अधिकारियों से लेकर रेलवे पुलिस के आम कर्मचारी व सभी रेलवार्डन बधाई के पात्र है। पुलिस अधीक्षक,रेलवे श्रीमती भारती अरोड़ा, भा.पु.से. विशेष रूप से बधाई की पात्र है जिनकी प्रेरणा एवं कुशल नेतृत्व सब में उत्साह भर देता है

आप सब महत्वपूर्ण सुझावों, लेख, रचनाएं, प्रतिक्रियायें - आदि समय पर भेजते रहें- ताकि 'सेफ रेल' का सफर यूँ ही गौरवशाली ढंग से चलता रहे।

रेल सफर में आपका व्यवहार आपके चरित्र की पहचान कराता है ।

क्लेश-मुक्ति का उपाय.

—श्याम 'भाईसाब'—

आज व्यक्तिमात्र को चिन्ता वर्तमान की उस विषम वस्तु स्थिति को लेकर है जिसका दुःखद अनुभव हम सब ही करते हैं . प्राकृतिक या आकस्मिक दुर्घटनाओं की क्या कहें, यहाँ और मुँह बाये खड़े व फैले, नृशंस निर्दयता व अन्याय से मानव जाति संतप्त है. 1825 में भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने करुण क्रन्दन किया था — ''हा हा भारत दुर्दशा देखी न जाई. '' इस से भी पूर्व अंग्रेजी कवि वर्ड्सवर्थ ने आह भरकर एक कविता में कहा था कि मेरे दिल को बहुत ही दुःख होता है यह सोचकर कि (स्वयं) मानव ने मानव का क्या बना दिया! [1] वर्तमान प्राणियों के कष्ट-क्रन्दन तथा व्यथा-संताप तो कई गुणा अधिक हैं. उनका विचार करो तो भोजन ग्रहण करने को मन नहीं करता. जीवमात्र को अपना मानने वाले सज्जनों का जीने को जी नहीं करता.

इस विषम स्थिति से निपटें कैसे ? कितनी समाजसेवी संस्थायें व सरकारें अपना-अपना उद्यम कर रही हैं. धन-सम्पदा, पद-प्रतिष्ठा, अथवा धर्मों के बाहरी रूपों से स्थायी सुख तो क्या, कष्ट मुक्ति व निश्चिन्तताई भी प्राप्त नहीं होते - यह तो चारों ओर दृष्टि डालकर व स्वयं अपने को देखकर व्यक्तिमात्र को अनुभव हो चुका है. सच यह है कि हम इन भौतिक भ्रान्त उपायों में भटकते रहे हैं व अद्भुत-अचूक उपाय बिसराते रहे हैं. वह उपाय ही इस लेख का विषय है. वह अमोघ उपाय है : भगवान का आश्रय लेना— सो भी सोच समझ कर, युक्तियुक्त विधि से.

मानव जाति की प्राथमिक आवश्यकता यह विचारने या विवाद करने की नहीं है कि संसार कैसे बना, किसने बनाया, इतना भयंकर क्यों है, इत्यादि. सर्वोपरि आवश्यकता कष्ट से उबरने-उबारने की है. एक ही परिवार के अनेक सदस्य यात्रा पर निकले— आनन्द मंगल मनाने के लिए , पर मध्यमार्ग में दुर्घटना घटी : एक नवकिशोर बुरी तरह घायल हो गया. वह दर्द से कराह रहा था व आसपास एकत्रित लोग सहानुभूति के स्वर में प्रश्नोत्तर कर रहे थे कि दुर्घटना कैसे हुई, आदि. पुत्र के प्रति स्नेहसिक्त माँ ने कहा कि सबसे पहले इसके कष्ट से उबरने का उपाय करो. मैं इसका कराहना सहन नहीं कर सकती.''

माँ ने एकदम ठीक कहा. ''क्यों-कैसे'' से पूर्व प्राथमिकता उपचार की, कष्ट-शमन की है.

वर्तमान युग में मानवमात्र किसी न किसी कष्ट या चिंता का ग्रास बना हुआ है. अथवा , भविष्य के लिये चिन्तित व आशंकित है. भौतिक साधन व संसाधन निरुपाय व निस्सहाय हो गये हैं. विज्ञान की अद्भुत व सर्वस्वीकृत सेवायें, व महान से महान विचार-धारायें कदापि मानव जाति को कष्टमुक्त नहीं कर पाई हैं.

इस लेखक का आधारभूत उद्देश्य मानव मात्र को क्लेश-कष्ट से मुक्त करना व सुख-चैन से सम्पन्न देख-पाकर आत्मसुख प्राप्त करना है . जब हम बिना किसी पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा के, इतिहास व वर्तमान को, साक्षी बनाते हैं तो हम देखते हैं कि इसके लिए एकमात्र भगवान का आश्रय ही प्रभावशाली व सहायी होने से हमने इस सत्य को हृदयंगम करना है, व जीवन में उतारना है. यह उपाय पूर्वतर जिन्होंने किया— उन सबके अनुभव से लाभ उठाना है. ऐसे सर्वविदित कुछ नाम हैं- गांधीजी, माँ टेरिसा, योगी अरविन्द, स्वामी रामकृष्ण, गुरु नानक , कबीरजी, चैतन्य महाप्रभु ,हजरत मुहम्मद, म० ईसा, रबिया, आदि. इन्होंने भगवान का आश्रय लिया. **इस ही लिए तो शान्तचित्त रह सके.** कष्ट तो इनके जीवन में भी ऐसे ही आये जैसे अन्य साधारण जनों के जीवन में— कहीं कहीं तो कहीं अधिक विभीषण. पर वे अप्रभावित रहे. उनका मानसिक संतुलन बना रहा, निराशा-अवसाद की छाया का भी स्पर्श उन्हें नहीं हुआ. इनके मार्ग पर हम चलें तो हम भी इनकी भाँति स्वयं को सुखी व सुप्रसन्न बना सकते हैं.'वे महापुरुष जिस पथ पर चले, वही हमारा पथ है.'[2] अपनी व उदीयमान पीढ़ियों के प्रेरणास्रोत बनकर हम उन का भी परमहित कर सकते हैं.

भगवान के आश्रय का भाव भी स्पष्ट होना चाहिये. भगवान के आश्रय का अर्थ है — उनका मानसिक ध्यान व ध्यान में प्रार्थना . पर भगवान अपना आश्रय तभी प्रदान करते हैं जब हमारा मन जीवमात्र के प्रति सद्भाव से सम्पन्न हो, तथा यथासम्भव हम उनकी सेवा-सहायता भी करें. धर्म के बाहरी रूपों की भगवान को अनिवार्यता नहीं है.

भगवान का आश्रय लेने के लाभ अनन्त नहीं तो अनेक तो स्पष्ट ही हैं, इससे साहस व आत्मविश्वास बढ़ते हैं, मानसिक तनाव घटें, रोगों व कष्टों को सहन करने की शक्ति आती है, भिन्न-भिन्न भयों से त्राण होता है . सर्वोपरि बात— मन में एक विशेष प्रकार के आनन्द की प्रतीति होती रहती है. ऐसे सौभाग्यशाली जन कहीं-कहीं लेखक ने स्वयं देखे हैं. भगवद्कृपा के प्रताप से पाठक भी इसी वर्ग में आ जायें : 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' 'मा कश्चित् दुःखभाग्भवेत्' — यह वेद वाणी साकार हो जाये।
जो पाठक पहले से ही भक्ति मार्ग के साधक हैं, उनके प्रति एक विशेष निवेदन है. जीवन कष्टमय न भी हो, तो भी इस के सुख सीमित, नश्वर व जीवन काल पर्यन्त ही हैं. जन्म-जन्मान्तरों के लिये, अनन्त असीम सुख के लिये, नित्य सुखस्वरूप श्री भगवान का भजन ही साध्य है ; वे अविनाशी अपने जनों को अविनाशी बना देते हैं. अतः इस पाथेय की साधना ही परम श्रेयस्कर है.

प्रस्तुति- विकास अरोड़ा आई.पी.एस.

---

1 "And much it grieves my heart to think / What man has made of man."

2 'महाजनो येन गतः स पन्थाः'. (— महाभारत)

रेलवार्डन बनकर समाज में प्रतिष्ठा पायें

माँ की महिमा

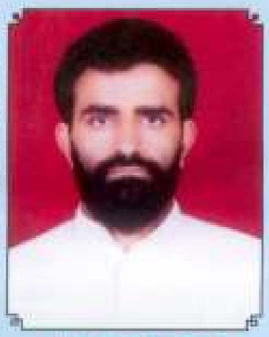

योग आचार्य श्री रमेश आर्य

आज के समाज में भौतिकता का इतना बढ़ावा होता जा रहा है कि हम अपने प्राचीन मूल्यों और संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। और इस भौतिकवाद में मनुष्य ईश्वर की तलाश में भटकता रहता है और ईश्वर की प्राप्ति किसी विशेष गुरुकृपा या किसी विशेष हितैषी के आशीर्वाद के बिना प्राप्त नहीं होती है। मनुष्य का धरती पर सबसे बड़ा हितैषी और गुरु माँ होती है जो मनुष्य माँ का आशीर्वाद प्राप्त कर लेता है और माँ सच्चे मन और आत्मा से जब बच्चे को आशीर्वाद दे देती है उसके आशीर्वाद को भगवान भी नहीं मोड़ सकता। क्योंकि संसार में मनुष्य का कोई सच्चा हितैषी हो सकता है तो वह माँ ही है। जो व्यक्ति माँ की सेवा करता है माँ को खुश रखता है माँ का आशीर्वाद लेता है उसे संसार की सारी खुशियां प्राप्त हो जाती है क्योंकि मनुष्य जब नौ मास माँ के गर्भ में रहता है तो वह अन्न दूध पानी भी केवल नहीं होता अपितु वह मनुष्य नौ मास तक अपनी माँ के गर्भ में माँ को निचोड़कर खून पीता है और धरती पर नौ मास पाने की जगह 24 घण्टे खून केवल माँ दिला सकती है। इसी कारण से पूरे जीवन मनुष्य माँ के ऋण से उऋण नहीं होता। जब हमें बोलना नहीं आता था उस समय भी माँ ने हमें बोलना सिखाया और और संकेत मात्र से ही हमारी भूख को समझ लेती थी वह खुद गीले में सो जाती थी हमें सूखे में सुलाती और जब हम रात को रोते थे तो वह दिन भर की थकान को भूलकर आधी रात को ही उठकर हमें प्रेम करती थी लेकिन जब हम बड़े हुए हमने अपनी उसी माँ को भुला दिया जिसके बिना हम एक पल रह नहीं पाते थे रोते चीखते थे आज उसी माँ के पास बैठने को समय नहीं रहा बल्कि बूढ़ी माँ अपने बेटे की आने की राह देखती है। कब बेटा आएगा लेकिन बेटा तो पूरा समय- अपने बच्चों में गुजार देता है और माँ इन्तजार करती-करती सो जाती है।

माँ के हाथ में ऐसी दिव्य शक्ति होती है कि जब वह खुश होकर बच्चे के सिर पर हाथ रखती है और कहती है बेटा तेरा कल्याण हो तो उसके आशीर्वाद से वही हो जाता है जैसे वह कहती है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को माँ की सेवा करनी चाहिए। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है की जब बूढ़े व्यक्ति को चोट लग जाए तो उसके भगवान व गुरु याद नहीं आता बल्कि माँ याद आती है और माँ के आशीर्वाद का सबसे बड़ा उदाहरण दुर्योधन का है जब दुर्योधन युद्ध भूमि में पांडवों के खिलाफ गया तो उसे ठीक से माँ का आशीर्वाद नहीं मिला उसे अहंकार था कि क्या जरूरत है। माँ के आशीर्वाद की और वह दुर्योधन बिना माँ के आशीर्वाद के युद्ध भूमि में चला गया। धर्मराज युधिष्ठिर माँ गान्धारी व माँ कुन्ती का आशीर्वाद लेके गया और माँ के आशीर्वाद के सामने भीष्म, कर्ण, दुशासन 99 भाई मारे गए, भीष्म भी घायल हो गया। जब दुर्योधन को मौत दिखाई देने लगी और युद्ध भूमि में अकेला रह गया घायल हो गया तो माँ के पास गया और कहने लगा कि माँ मुझे कोई आशीर्वाद दो जिससे कोई मुझे मार ना सके तो माँ गान्धारी के आशीर्वाद से दुर्योधन व्रज का हो गया।

अतः सज्जनों हर घर में माँ है आप भी माँ का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने को स्वस्थ व सुन्दर बना सकते हैं इसी से धरती को भी माँ कहा, गाय को माँ कहा, भारत को माँ कहा यह माँ की संस्कृति का देश रहा है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को माँ का आशीर्वाद लेते रहना चाहिए।

ट्रेनों में लूटपाट करने वाले शातिर गिरोह का भंडाफोड़

पानीपत की राजकीय रेलवे पुलिस ने ट्रेनों में लूटपाट करने वाले एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जिसने वारदातों के जरिए तहलका मचा दिया। इस गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद यात्रियों के साथ पुलिस को भी जबरदस्त राहत मिली। लूटपाट के मामले में गिरोह के सभी सदस्य सलाखों के पीछे बंद हैं। असल में उत्तरप्रदेश के जिला गोंडा वासी राकेश कुमार ने 12 अप्रैल 2009 को कालका-हावड़ा मेल के जनरल डिब्बे में पानीपत रेलवे स्टेशन के पास पर 8 नामालूम लुटेरों पर मारपीट के बाद लूटपाट का आरोप लगाया था। राकेश कुमार ने राजकीय रेलवे पुलिस को दी शिकायत में बताया कि लुटेरों ने उससे एक हजार रुपए की नकदी के साथ मोबाइल फोन भी छीनने की बात कही थी। उसने बताया कि समालखा रेलवे स्टेशन के बाद गाड़ी धीमी होने के बाद लुटेरे वारदात को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। गहन जांच के दौरान जनता ट्रैन एवं जेहलम एक्सप्रेस में हुई लूट के अन्य मुकदमों में भीम सिंह उर्फ भीमा व सतीश कुमार वासी सिकन्दरा जी.आर.पी. के हत्थे चढ़ गये। जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपने अन्य सहयोगियों, अमनदीप सिंह एवं रणधीरसिंह को भी इस वारदात में शामिल होने बारे खुलासा किया सभी आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने ही चाकू पर सभी यात्रियों को निशाना बनाया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने जुर्म का चिट्ठा खोल दिया। पूछताछ के दौरान इन आरोपियों ने प्रवासी मजदूर राकेश कुमार से लूटपाट के साथ भोड़वाल माजरी स्टेशन के पास एक गैंगमैन से 525 रुपए की नकदी के साथ एक मोबाइल फोन 22 नवम्बर 2008 को लूटने की वारदात का भी खुलासा किया। इतना ही जांच के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाश अनिल कुमार, दीपक कुमार, अनिल उर्फ फौजी, सलमान, चांद मोहम्मद, मुनिस, मोहम्मद युसुफ, गुरदीप बिहारी व असरोज के साथ गाड़ी संख्या 5108 बरौनी एक्सप्रेस में पानीपत रेलवे स्टेशन पर बिहारी मजदूरों से मारपीट के बाद 46 हजार 800 रुपए लूट लिए थे। लूटपाट की इस वारदात की शिकायत अररिया बिहार के मोहम्मद इजहार की शिकायत पर डकैती का मामला दर्ज किया। इस संबंध में पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 23 हजार 800 रुपए की बरामदगी की। करनाल राजकीय रेलवे पुलिस ने भी लूटपाट के मामले में आरोपियों से 3400 रुपए की रिकवरी की। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में पंजाब में भी कई जगह छापामारी की थी। सोनीपत के ऋषिनगर स्थित एक तबेले में छापामारी कर पुलिस ने वहां से अमनदीप व सुभाष को गिरफ्तार किया था। ट्रेनों में लूटपाट की अलग-अलग सभी पांच घटनाओं में शामिल सभी 9 अपराधियों को गिरफ्तार करके सलाखों के भीतर भेजकर जी.आर.पी ने जनता की वाहवाही लूटी।

किसी भी अनजान व्यक्ति से मिठाई या प्रसाद ग्रहण करना खतरनाक हो सकता है।

जीआरपी थाने व रेलवे स्टेशन होंगे हरे-भरे

रेलवे एसपी ने पौधारोपण करने के दिए निर्देश

समाचार एक नजर में

Now, community policing in buses

प्रजातंत्र में करें सहयोग : दलाल

समारोह में 82 रेलवे वार्डन को सम्मानित किया

बसों की सुरक्षा भी होगी वार्डनों के हवाले

बासठ रेल वार्डन किए सम्मानित

राज्यस्तरीय रेल वार्डन सम्मान समारोह

वार्डनों के सहयोग से सुरक्षा चाव

रेलवे पुलिस ने लगाए सौ से भी ज्यादा पौधे

अपराध पर अंकुश को जन सहयोग जरूरी

डीजीपी ने 62 रेलवे वार्डनों को सम्मानित किया

बिना जन सहयोग कोई ... कारगर नहीं : रंजीव दलाल

Rail wardens help GRP beef up security

रेलवार्डनों व जी.आर.पी. ने की ट्रेनों की चैकिंग

अपराध नियंत्रण हेतु दिए दिशा-निर्देश

महिलाओं ने भी संभाली रेल वार्डन की कमान

वार्डनों के सहयोग से सुरक्षा चाक-चौबंद

अब रेल वार्डन भी दे पाएंगे फर्स्ट एड

ट्रेनों में बढ़ाई जाएगी गश्त

अभियान से अपराधों में भारी कमी : भारती

प्रदेशभर के जी.आर.पी. थानों में हुआ पौधारोपण

सफर के दौरान मीठा बोलने वाले व्यक्तियों से सावधान रहें

Glimpses

रेलवार्डन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि का स्वागतम्

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए श्री एम.एस. जैद खान, मण्डल सुरक्षा आयुक्त, आर.पी.एफ. अंबाला ।

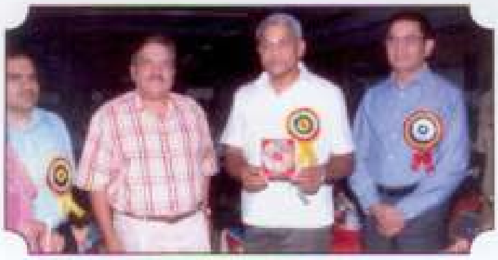

सम्मान समारोह में जागरूकता फिल्म सी.डी. का विमोचन करते हुए श्री बी.एन.राय, भा.पु.से. मुख्य अतिथि के साथ

रेलवार्डन सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते पुलिस महानिदेशक श्री रंजीव सिंह दलाल, भा.पु.से.

रेलवार्डन सम्मान समारोह में दीप प्रज्वलित करते श्री विकास अरोड़ा भा.पु.से. पुलिस अधीक्षक, यमुनानगर

रेलवार्डन जागरूकता रैली को हरी झण्डी देते हुए श्री के.के.मिश्रा, भा.पु.से. पुलिस महानिरीक्षक, रेलवेज हरियाणा ।

सम्मान समारोह में मार्च करते हुए रेलवार्डन

हवन यज्ञ में भाग लेते जी.आर.पी. अधिकारी व कर्मचारी

मुख्य-सम्पादक : [illegible] शर्मा, एम० ए० (अर्थशास्त्र) सेवानिवृत्त प्राचार्य ।

सह-सम्पादक : ईश्वर सिंह, निरीक्षक, प्रभारी ..., जी० आर० पी० अम्बाला छावनी ।

सम्पादकीय सलाहकार : अशोक कुमार, एम० ए० हिन्दी, एम० ए० मास कम्युनिकेशन, रेलवार्डन ।

मुद्रक एवं प्रकाशक : जी आर पी रेलवार्डन एसोसिएशन हरियाणा ।